

डैनियल की पुस्तक - संख्या नवासी

मिथ्या सिद्धांतों का अनावरण: एडवेंटिज़्म में 'द डेली' का ऐतिहासिक अध्ययन

Jeff Pippenger

2024-02-22

दानियेल की पुस्तक पर लेखों की इस श्रृंखला के इक्यासीवें लेख में, हमने Manuscript Releases, खंड 20, 17-22 से एक उद्धरण सम्मिलित किया था, जहाँ बहन व्हाइट स्पष्ट रूप से बताती हैं कि "the daily" को मसीह के पवित्रस्थान का प्रतिनिधित्व मानने वाली शिक्षा एल्डर्स प्रेस्कॉट और डैनियल्स को "स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूतों" द्वारा दी गई थी। उन्होंने वास्तव में "the daily" के बारे में उनके गलत विचार की पहचान वैसे नहीं की है, जैसा मैंने किया है, परन्तु ऐतिहासिक अभिलेख अत्यन्त स्पष्ट है कि वे इसी को सत्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। वे Uriah Smith की पुस्तक "Daniel and the Revelation" के उन भागों को फिर से लिखना चाहते थे, जो "the daily" की समझ का समर्थन करते हैं, जिसे वह Early Writings, पृष्ठ चौहत्तर में सही दृष्टिकोण के रूप में पहचानती हैं।

डब्ल्यू. डब्ल्यू. प्रेस्कॉट ने The Protestant शीर्षक से एक पत्रिका प्रकाशित की थी, जिसमें एकमात्र विषय 'the daily' के गलत दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था। वे और जनरल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ए. जी. डैनिएल्स, एडवेंटिज़्म में उस झूठी शिक्षा को सर्वमान्य मत के रूप में स्थापित करने के प्रेस्कॉट के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए शैतानी अगुआ बन गए, परन्तु एलेन वाइट के जीवित रहते उनके शैतानी प्रयासों की सफलता पर अंकुश रहा। 1931 में, डैनिएल्स ने बताया कि जिस वर्ष Manuscript Releases का वह अंश लिखा गया था (1910), उसी वर्ष उन्होंने (डैनिएल्स ने) 'the daily' विषय पर सिस्टर वाइट से भेंट की थी, और उन्होंने उन्हें यह विश्वास दिलाया था कि उनका और प्रेस्कॉट का दृष्टिकोण सही है।

इस इतिहास को समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम अब 1989 में आई ज्ञान-वृद्धि पर विचार आरम्भ कर रहे हैं, जब पवित्र सुधार रेखाएँ और दानियेल अध्याय ग्यारह के अंतिम छह पद उद्धाटित हुए थे। दानियेल अध्याय ग्यारह के पद चालीस की पूर्ति में सोवियत संघ के पतन के साथ जो प्रकाश प्रकट हुआ, उसे पहचानने के लिए यह आवश्यक है कि "नित्य" तथा "नित्य" द्वारा दर्शाई गई भविष्यवाणी का इतिहास ठीक से समझा जाए, क्योंकि वही इतिहास दानियेल अध्याय ग्यारह के पद चालीस से पैंतालीस में उस इतिहास की पुनरावृत्ति को स्पष्ट करता है। ये पद दिखाते हैं कि उनमें उद्धाटित संदेश "पूर्व और उत्तर के समाचार" हैं, जो परमेश्वर की प्रजा के अंतिम उत्पीड़न का कारण बनते हैं।

परन्तु पूरब और उत्तर की ओर से समाचार उसे व्याकुल करेंगे; इसलिये वह बहुत बड़े क्रोध के साथ बहुतों का नाश करने और उन्हें सर्वथा मिटा डालने के लिये निकल पड़ेगा। और वह समुद्रों के बीच उस शोभायुक्त पवित्र पर्वत में अपने राजमहल के तंबू गाड़ेगा; तौभी उसका अन्त आ पहुँचेगा, और उसकी सहायता करने वाला कोई न होगा। दानियेल 11:44, 45.

1989 में सोवियत संघ के पतन पर जिसकी मुहर खुली थी, चालीसवें पद का वह संदेश 'अंतिम वर्षा' का संदेश है, जो पोपतंत्र (उत्तर का राजा) को 'बड़े प्रकोप के साथ आगे बढ़कर नाश करने और बहुतों को पूरी तरह मिटा देने' के लिए प्रेरित करेगा। 'Tidings' भविष्यवाणी की भाषा में एक संदेश है।

और वे कैसे प्रचार करेंगे, यदि वे भेजे न जाएँ? जैसा लिखा है, 'जो शांति का सुसमाचार सुनाते हैं और अच्छी बातों की शुभ सूचना लाते हैं, उनके पाँव क्या ही सुन्दर हैं!' रोमियों 10:15.

अंतिम वर्षा का संदेश वह संदेश है जो परमेश्वर के अंतिम दिनों के प्रहरी प्रस्तुत करते हैं, जो दाख की बारी का गीत और मूसा तथा मेम्ने का गीत गाते हैं।

पर्वतों पर उसके पाँव क्या ही मनोहर हैं जो शुभ समाचार लाता है, जो शान्ति का प्रचार करता है; जो भलाई का शुभ समाचार लाता है, जो उद्धार का प्रचार करता है; जो सिंघोन से कहता है, 'तेरा परमेश्वर राज्य करता है!' तेरे पहरेदार अपना स्वर ऊँचा करेंगे; वे एक साथ स्वर मिलाकर गाएँगे; क्योंकि जब यहोवा सिंघोन को लौटाएगा, तब वे आँख से आँख मिलाकर देखेंगे। यशायाह 52:7, 8.

दानियेल 11 के पद 44 के "समाचार" पाप के मनुष्य को क्रोधित कर देते हैं, और अंतिम पापसी रक्तपात संपन्न हो जाता है। वह संदेश तीसरे स्वर्गदूत का संदेश है, जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय जोरदार पुकार तक बढ़ जाता है।

"जब तक उन्होंने प्रकाश प्राप्त न किया हो और चौथी आज्ञा की बाध्यता न देखी हो, तब तक किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जाता। परंतु जब नकली सब्त को लागू कराने वाला फरमान जारी होगा, और 'तीसरे स्वर्गदूत' की जोरदार पुकार मनुष्यों को पशु और उसकी प्रतिमा की उपासना के विरुद्ध चेतावनी देगी, तब झूठ और सत्य के बीच की रेखा स्पष्ट रूप से खींच दी जाएगी। तब जो लोग अभी भी उल्लंघन करते रहेंगे, वे पशु की छाप प्राप्त करेंगे।" Signs of the Times, 8 नवंबर, 1899.

"पूर्व और उत्तर की खबरें" जो पापसी को क्रोधित करती हैं, रविवार के कानून पर एक ऊँची पुकार तक उभरकर प्रबल हो जाती हैं, और वही संदेश "देर की वर्षा" का संदेश है, जो 11 सितम्बर, 2001 को शुरू हुआ। "ऊँची आवाज़" का वाक्यांश एक भविष्यवाणी संबंधी पद है, जो बढ़ती हुई शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

इस समय का सत्य, अर्थात् तीसरे स्वर्गदूत का संदेश, को ऊँचे स्वर में, अर्थात् बढ़ती हुई शक्ति के साथ, प्रचारित किया जाना है, जैसे-जैसे हम महान अंतिम परीक्षा के निकट आते हैं। 1888 की सामग्री, 1710.

चवालीसवीं आयत के "समाचार" वह अंतिम वर्षा का संदेश है, जो अनुग्रह काल के समाप्त होने से ठीक पहले, जब मिखाएल खड़ा होता है, दिया जाता है। यह वही अंतिम वर्षा का संदेश है जो 11 सितंबर, 2001 को आया था, परंतु जब एक लाख चवालीस हजार पर मुहर लगा दी जाती है और तब पवित्र आत्मा बिना माप के उंडेला जाता है, तो यह एक प्रबल पुकार—एक ऊँची आवाज़—में बदल जाता है। यह वही अंतिम वर्षा का संदेश है जिसने एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी की अवधि को चिह्नित किया।

यह "अंतिम वर्षा" का संदेश है, जिसे "शांति और सुरक्षा" के संदेश के रूप में, "गधे" के आगमन से लेकर "सिंह" के आगमन तक, लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म द्वारा नकली तौर पर प्रस्तुत किया गया है। 11 सितंबर, 2001 से लेकर शीघ्र आने वाले "रविवार के कानून" तक का काल लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म की आध्यात्मिक मृत्युशय्या को दर्शाता है, और परमेश्वर के घर (येरूशलेम) का न्याय हो जाने के बाद जिनका न्याय होता है, वे उसी कब्र में मरते हैं। लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म की मृत्युशय्या "गधे" और "सिंह" के बीच है, और जो संदेश अस्वीकार किया जाता है तथा जो उनकी मृत्यु का कारण बनता है, वह "पूर्व" (इस्लाम का प्रतीक) और उत्तर (पापसी का प्रतीक) से आने वाले "समाचार" है। यह वही संदेश है, जो तीसरे स्वर्गदूत का संदेश है।

दानियेल ग्यारह के अंतिम छह पद, जिनकी मुहर अंत के समय 1989 में खोली गई, अंतिम वर्षा का संदेश हैं, जिसे ऐसे समय में घोषित किया जा रहा है जब "शांति और सुरक्षा" की झूठी "अंतिम वर्षा" का संदेश प्रचारित हो रहा है। अंतिम वर्षा की परीक्षा पहले परमेश्वर के घराने पर आती है, क्योंकि न्याय वहीं से आरंभ होता है, और फिर वह परमेश्वर के घराने के बाहर के अन्य झुंड का सामना करती है। इसी कारण, तीसरी पीढ़ी में लाओदीकियाई एडवेंटवाद में जो "झूठ" प्रविष्ट कराया गया था, उसे समझना आवश्यक है; क्योंकि जब परमेश्वर जिन पर वह अपनी मुहर लगा रहा है उन पर अपना पवित्र आत्मा उंडेलता है, उसी समय वह उन पर भी प्रबल भ्रम उंडेलता है जो सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं करते।

बीसवीं शताब्दी के पहले डेढ़ दशक में "the daily" को लेकर हुए विवाद के दौरान, सही मिलरवादी मत कि "the daily" पैगनवाद का प्रतीक है, का बचाव करने वालों में से एक एफ. सी. गिल्बर्ट थे। गिल्बर्ट यहूदी धर्म से परिवर्तित

थे और धाराप्रवाह हिब्रू पढ़ते और बोलते थे। उन्होंने हिब्रू भाषा की अपनी समझ के आधार पर दानियेल की पुस्तक में अग्रणियों के मत का समर्थन किया। 1910 में, उसी वर्ष जब सिस्टर व्हाइट ने वह पांडुलिपि लिखी जो कई दशकों तक दबा रहने वाली थी और जिसमें यह बताया गया था कि "the daily" के बारे में डैनियल्स और प्रेस्कॉट का दृष्टिकोण शैतान के स्वर्गदूतों से आया था, गिल्बर्ट ने "the daily" के मुद्दे पर सिस्टर व्हाइट से व्यक्तिगत भेंट की।

हमें पता है कि उसका साक्षात्कार हुआ था, क्योंकि उसने तुरंत (अगले दिन) सिस्टर वाइट के साथ हुए साक्षात्कार का सारांश लिख दिया। 1931 में, ए. जी. डैनियल्स ने यह दावा किया कि उसी वर्ष—1910 में—"दैनिक" विषय पर उनका सिस्टर वाइट से साक्षात्कार हुआ था। डैनियल्स का दावा था कि सिस्टर वाइट ने उसे किसी और निष्कर्ष की गुंजाइश नहीं छोड़ी, सिवाय इसके कि "दैनिक" मसीह की पवित्रस्थान सेवा का प्रतीक है। लेकिन डैनियल्स का यह साक्षात्कार वाला दावा केवल एक "झूठ" ही नहीं था; यह भविष्यवाणी का वह "झूठ" है जो प्रबल भ्रम उत्पन्न करता है।

जिनके पास 1843 और 1850 के चार्ट उपलब्ध नहीं हैं, उनके लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब 1843 का चार्ट 1842 में प्रकाशित हुआ था, तब मिलेराइट्स अब भी यह मानते थे कि तेईस सौ वर्षों की भविष्यवाणी की पूर्ति में शुद्ध किया जाने वाला पवित्रस्थान पृथ्वी ही था। जब उन्होंने 1850 का चार्ट प्रकाशित किया, तब उन्हें पता चल गया था कि शुद्ध किया जाने वाला पवित्रस्थान स्वर्गीय पवित्रस्थान था। इसी कारण 1843 के चार्ट में परमेश्वर के पवित्रस्थान का कोई चित्रण नहीं है, लेकिन 1850 के चार्ट में परमेश्वर के पवित्रस्थान का चित्रण है। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि डैनियल्स ने दावा किया कि सिस्टर व्हाइट के साथ अपने साक्षात्कार में उन्होंने उन्हें 1843 का चार्ट दिखाया, और चार्ट पर पवित्रस्थान की ओर संकेत किया। यह असंभव था, क्योंकि 1843 के चार्ट पर कोई पवित्रस्थान ही नहीं। साक्षात्कार का उनका दावा एक "झूठ" था।

जब मैं 2009 में इस इतिहास का अध्ययन कर रहा था और मुझे यह पता चला कि इस मुद्दे के दोनों पक्षों के पुरुषों ने यह दावा किया था कि 'the daily' विषय पर उनका बहन व्हाइट के साथ साक्षात्कार हुआ था, तो मैंने एलेन व्हाइट एस्टेट को ईमेल किया और पूछा कि क्या उनके पास वह लॉगबुक उपलब्ध है जिसमें 1910 में बहन व्हाइट के साक्षात्कार दर्ज किए गए थे। उन्होंने उत्तर दिया कि उनके पास वह लॉगबुक अब भी है। निम्नलिखित मेरा ईमेल और एलेन व्हाइट एस्टेट का उत्तर है।

सोमवार, 19 जनवरी, 2009

जिन्हें यह संबंधित हो:

मैंने सुना है कि एक लॉग-बुक है जिसमें यह दर्ज है कि सिस्टर व्हाइट से किसने मुलाकातें कीं और वे मुलाकातें किन विषयों से संबंधित थीं। मेरा उद्देश्य यह सत्यापित या खंडित करना है कि क्या ए. जी. डैनियल्स ने 1910 में "डेली" विषय पर सिस्टर व्हाइट से मुलाकात की थी। मुझे ज्ञात है कि इस मुलाकात के होने के बारे में ऐतिहासिक गवाही उपलब्ध है, पर यह जानना है कि क्या किसी आधिकारिक लॉग-बुक में इसका वास्तव में उल्लेख है। इसी के साथ, मुझे बताया गया है कि एफ. सी. गिल्बर्ट ने भी 1910 में "डेली" विषय पर सिस्टर व्हाइट से मुलाकात की थी, और यह जानना है कि क्या उस अवधि में उनके स्टाफ द्वारा रखी गई किसी लॉग-बुक से इसकी पुष्टि हो सकती है। संभव है कि कोई लॉग-बुक न रही हो, या यदि रही हो तो आप वह जानकारी जारी न करते हों, या यह भी संभव है कि उसके मौजूद होने पर भी उसे मेरे लिए जाँचना आपकी क्षमता से परे हो। इसलिए, किसी भी स्थिति में, मैंने पूछना उचित समझा। आप जो भी सहायता प्रदान कर सकें, उसके लिए बहुत आभार होगा।

प्रिय Jeff,

आपके ईमेल के लिए धन्यवाद। हमारे पास एलेन व्हाइट के यात्रा कार्यक्रम का काफी हद तक पूरा विवरण है, जो उनके पत्रों, डायरियों और प्रकाशित कार्यक्रमों पर आधारित है, लेकिन 'लॉग-बुक' जैसी कोई चीज़ नहीं है।

निस्संदेह आपने EGW Biography, The Later Elmshaven Years के खंड 6, पृष्ठ 256, 257 में A G Daniells की Ellen White से भेंट के बारे में पढ़ा होगा। हमें इस मुलाकात का कोई स्वतंत्र अभिलेख नहीं मिला है। हमारे पास 1 जून, 1910 का Elder Gilbert का एक पत्र है, जिसमें 6-9 जून को St. Helena (जहाँ Ellen White रहती थीं) में रहने की उनकी योजना का उल्लेख है। मेरी जानकारी में समर्थन के लिए उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्य बस इतना ही है।

ईश्वर आशीर्वाद दें - टिम पोइरियर, उप निदेशक, एलेन जी. व्हाइट एस्टेट

Daniells का "the daily" विषय पर कभी साक्षात्कार हुआ ही, इसका कोई स्वतंत्र अभिलेख नहीं है, लेकिन Gilbert का एक पत्र है जो यह बताता है कि वह 6 से 9 जून, 1910 तक उसके घर पर रहने का इरादा रखता था।

एलेन व्हाइट एस्टेट जिस सिस्टर व्हाइट की जीवनी का हवाला देता है, उसमें उनके पोते ने डैनियल्स के साक्षात्कार के मुद्दे पर चर्चा करते हुए 1910 के मनगढ़ंत साक्षात्कार के संबंध में डैनियल्स का दावा दर्ज किया:

चर्चाओं में कुछ देर बाद एक अवसर पर, Elder Daniells, W. C. White और C. C. Crisler के साथ, Ellen White के Early Writings वाले कथन का अर्थ ठीक-ठीक क्या है, यह स्वयं उनसे जानने की उत्सुकता में, उनके पास गए और विषय उनके समक्ष रखा। Daniells अपने साथ Early Writings और 1843 का चार्ट लेकर गए। वह Ellen White के पास ही बैठ गए और उनसे लगातार प्रश्न पूछते रहे। इस भेंट का उनका प्रतिवेदन W. C. White द्वारा पुष्टि किया गया:

'मैंने सबसे पहले सिस्टर व्हाइट को अर्ली राइटिंग्स में ऊपर दिया गया वक्तव्य पढ़कर सुनाया। फिर मैंने उनके सामने हमारा भविष्यवाणी-संबंधी चार्ट रखा, जिसका उपयोग हमारे पादरी दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की भविष्यवाणियों की व्याख्या करते समय करते हैं। मैंने उनका ध्यान पवित्रस्थान के चित्र और 2300-वर्ष की अवधि की ओर, जैसा कि वे चार्ट पर प्रदर्शित थे, दिलाया।

'तब मैंने पूछा कि क्या वह याद कर सकती थी कि इस विषय के बारे में उसे क्या दिखाया गया था।

"जैसा कि मुझे उनका उत्तर याद है, उन्होंने यह बताने से शुरुआत की कि 1844 के आंदोलन में रहे कुछ नेताओं ने 2300-वर्षीय अवधि के समापन के लिए नई तिथियाँ खोजने का प्रयास किया। यह प्रयास प्रभु के आगमन के लिए नई तिथियाँ निर्धारित करने का था। इससे एडवेंट आंदोलन में रहे लोगों के बीच भ्रम उत्पन्न हो रहा था।

"इस भ्रम में उसने कहा कि प्रभु ने उसे यह प्रकट किया कि तिथियों के संबंध में जो दृष्टिकोण रखा गया और प्रस्तुत किया गया था, वह सही था, और फिर कभी कोई समय निर्धारित नहीं किया जाना चाहिए, न ही समय के संबंध में कोई अन्य संदेश दिया जाना चाहिए।"

'तब मैंने उससे यह बताने को कहा कि "दैनिक" के बाकी पहलुओं—राजकुमार, सेना, "दैनिक" का हटाया जाना, और पवित्रस्थान का गिराया जाना—के बारे में उसे क्या प्रकट किया गया था।

"'उसने उत्तर दिया कि ये पहलू उसे दर्शन में उसी तरह नहीं दिखाए गए थे, जैसे समय-संबंधी भाग दिखाया गया था। वह उस भविष्यवाणी के उन बिंदुओं की व्याख्या करने के लिए प्रेरित नहीं होंगी।"

"'उस साक्षात्कार ने मेरे मन पर गहरी छाप छोड़ी। 2300-वर्षीय अवधि के विषय में वह बिना हिचकिचाहट खुलकर, स्पष्ट रूप से और विस्तार से बोली, लेकिन भविष्यवाणी के दूसरे भाग के बारे में वह मौन रही।

"समय के विषय में उसके खुले स्पष्टीकरण और 'daily' को हटाए जाने तथा पवित्रस्थान को गिरा दिए जाने के विषय में उसके मौन से मैं जो एकमात्र निष्कर्ष निकाल सका, वह यह था कि उसे दिया गया दर्शन समय के संबंध में था, और भविष्यवाणी के अन्य भागों के विषय में उसे कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला।—DF 201b, AGD वक्तव्य, 25 सितंबर, 1931।" आर्थर व्हाइट, एलेन जी. व्हाइट, खंड 6, 257.

डैनियल्स ने दावा किया कि उसने उन्हें 1843 का चार्ट दिखाया और उस पवित्रस्थान के बारे में पूछा, जो उस चार्ट पर प्रदर्शित नहीं है। उसका यह भी दावा था कि उसने Early Writings नामक पुस्तक ली और उनसे यह पूछते हुए प्रश्नों की झड़ी लगा दी कि जब उन्होंने "the daily" के बारे में अग्रदूतों की समझ का स्पष्ट रूप से समर्थन किया और यह कहा कि वह चार्ट प्रभु के हाथ द्वारा निर्देशित था, तो उनका आशय क्या था। एलेन व्हाइट का पुत्र—जो उस जीवनीकार आर्थर एल. व्हाइट का पिता था जिसने इस कथित घटना का संक्षिप्त विवरण लिखा—ने "the daily" के बारे में डैनियल्स और प्रेस्कॉट की शैतानी धारणा को स्वीकार कर लिया था और साक्षात्कार में उसने जो सुना था, उसके संबंध में डैनियल्स के दावे की पुष्टि की। वे अपनी गढ़ी हुई कहानी के साथ बस सावधान नहीं थे, क्योंकि 1843 का चार्ट किसी ऐसे पवित्रस्थान को दर्शाता ही नहीं है, जिसकी ओर डैनियल्स इशारा कर सकते थे।

साक्षात्कार में प्रस्तुत एक और झूठ यह है कि Early Writings से लिया गया वह अंश "समय-निर्धारण" के विरुद्ध एक चेतावनी था। जिस अंश के बारे में कथित तौर पर Daniells ने पूछा था, वह इस प्रकार है:

मैंने देखा है कि 1843 का चार्ट प्रभु के हाथ से निर्देशित था, और उसे बदला नहीं जाना चाहिए; कि उसके अंक वैसे ही थे जैसे वह उन्हें चाहता था; कि उसका हाथ उस पर था और उसने कुछ अंकों में हुई एक गलती को छिपा दिया था, ताकि जब तक उसका हाथ हटाया न गया, कोई उसे देख न सके।

"फिर मैंने 'दैनिक' (दानियेल 8:12) के संबंध में देखा कि 'बलिदान' शब्द मनुष्य की बुद्धि द्वारा जोड़ा गया था और मूल पाठ का अंग नहीं है, और यह कि प्रभु ने उसके विषय में सही दृष्टि उन लोगों को दी जिन्होंने न्याय-घड़ी की पुकार उठाई। जब 1844 से पहले एकता विद्यमान थी, तब लगभग सब 'दैनिक' के सही विचार पर एकमत थे; पर 1844 के बाद की उलझन में अन्य विचार अपनाए गए हैं, और अंधकार और भ्रम उसके पीछे-पीछे आए हैं। 1844 के बाद से समय किसी परीक्षा का विषय नहीं रहा, और वह फिर कभी परीक्षा नहीं होगा।" Early Writings, 74, 75.

विली सी. व्हाइट, सिस्टर व्हाइट के पुत्र, ने "the daily" के बारे में गलत दृष्टिकोण स्वीकार कर लिया था, और उनके पुत्र आर्थर ने उस साक्षात्कार से जुड़ी "झूठ" को, जो कभी हुआ ही नहीं था, यह सुझाव देने का प्रयास करके कायम रखने की कोशिश की कि Early Writings के उस अनुच्छेद में दी गई चेतावनी केवल और केवल समय-निर्धारण के विरुद्ध चेतावनी थी। वह तर्क 1930 के दशक में गढ़ा गया था और "झूठ" का एक प्रमुख हिस्सा बन गया।

हम उस तर्क पर अगले लेख में चर्चा करेंगे।

23 सितंबर, प्रभु ने मुझे दिखाया कि उन्होंने अपने लोगों के बचे हुए जनों को पुनः प्राप्त करने के लिए दूसरी बार अपना हाथ बढ़ाया है, और कि इस एकत्रीकरण के समय में प्रयासों को दोगुना करना आवश्यक है। विखराव के समय इस्राएल मारा और चीरा गया; पर अब एकत्रीकरण के समय परमेश्वर अपने लोगों को चंगा करेगा और बाँधेगा। विखराव में सत्य फैलाने के लिए किए गए प्रयासों का बहुत कम प्रभाव पड़ा; वे बहुत कम ही सफल हुए, या कुछ भी नहीं; पर एकत्रीकरण में, जब परमेश्वर ने अपने लोगों को इकट्ठा करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया है, तब सत्य को फैलाने के प्रयास अपना अभिप्रेत प्रभाव उत्पन्न करेंगे। सबको इस कार्य में एकजुट और उत्साही होना चाहिए। मैंने देखा कि अब जब हम एकत्र हो रहे हैं, तो हमारे मार्गदर्शन के लिए उदाहरण के रूप में विखराव का हवाला देना किसी के लिए भी लज्जास्पद है; क्योंकि यदि परमेश्वर अब हमारे लिए तब से बढ़कर कुछ न करे, तो इस्राएल कभी एकत्र नहीं होगा। जैसे सत्य का प्रचार करना आवश्यक है, वैसे ही उसे एक पत्र में प्रकाशित करना भी आवश्यक है।

प्रभु ने मुझे दिखाया कि 1843 का चार्ट उसके हाथ से निर्देशित था, और उसका कोई भी भाग बदला नहीं जाना चाहिए; संख्याएँ वैसे ही थीं जैसी वह चाहता था। उसका हाथ उस पर था और उसने कुछ संख्याओं में एक गलती को छिपा रखा था, ताकि जब तक उसका हाथ हटाया नहीं गया, कोई उसे देख न सके।

"तब मैंने 'Daily' के संबंध में देखा कि 'sacrifice' शब्द मनुष्य की बुद्धि से जोड़ा गया था और मूल पाठ का हिस्सा नहीं है; और यह कि प्रभु ने उसकी सही समझ उन लोगों को दी जिन्होंने न्याय के समय की पुकार दी।

जब 1844 से पहले एकता विद्यमान थी, तो लगभग सभी 'Daily' की सही समझ पर एकमत थे; परन्तु 1844 के बाद, भ्रम के बीच अन्य विचारों को स्वीकार कर लिया गया है, और परिणामस्वरूप अंधकार और भ्रम छा गया है।" रिव्यू एंड हेराल्ड, 1 नवंबर, 1850.